खबर संक्षेप

एसडीएम ने गेंहू उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

शहडोल। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत संचालित गेंहू उपार्जन केंद्र सामतपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही किसानों से गेंहू खरीदी सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने कहा कि उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों के लिए छायादार बैठक व्यवस्था, पेयजल, तौल कांटे एवं बारदाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने उपार्जन केंद्र में आए गेंहू की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का किया गया सामूहिक गायन

शहडोल। मई माह के प्रथम कार्य दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का गायन कर राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित विभिन्न विभागों के शासकीय सेवक उपस्थित रहे।

एनआरसी केंद्रों में 58 बच्चे भर्ती, 12 बेड रिक्त

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्रों में गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार एवं देखभाल का कार्य निरंतर जारी है। जिले के विभिन्न एनआरसी केंद्रों में कुल 70 बेड उपलब्ध हैं, जिनमें से 58 बच्चों को भर्ती कर उपचार प्रदान किया जा रहा है, जबकि 12 बेड रिक्त हैं। जिला चिकित्सालय स्थित एनआरसी में 20 बेड में से 18 बच्चों का उपचार जारी है तथा 2 बेड रिक्त हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी के एनआरसी में सभी 10 बेड भरे हुए हैं और वहां 10 बच्चे भर्ती हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर में 10 में से 5 बच्चे भर्ती हैं तथा 5 बेड खाली हैं। सीएचसी बुढार में 10 बेड में से 4 बच्चों का उपचार जारी है और 6 बेड रिक्त हैं। सीएचसी गोहपारू में 10 बेड के विरुद्ध 12 बच्चों को भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है, जबकि सीएचसी सिंहपुर में 10 में से 9 बच्चे भर्ती हैं एवं 1 बेड रिक्त है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुपोषित बच्चों के उपचार, पोषण आहार एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके।

बहू से दुष्कर्म का आरोपी ससुर गिरफ्तार

शहडोल। समाज को कलंकित करने और पवित्र रिश्तों को तार-तार करने वाली एक शर्मनाक करतूत सामने आई है। जयसिंहनगर पुलिस ने अपनी ही बहू के साथ दरिंदगी करने वाले कलयुगी ससुर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। ससुर ने मर्यादा की सारी हदें लांघते हुए बहू को अपनी हवस का शिकार बनाया था। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 2 मई 2026 को थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। उसने बताया कि ससुर जयपाल प्रजापति उम्र 42 वर्ष ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इस घिनौनी वारदात की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हडक़ंप मच गया। थाना प्रभारी अजय कुमार ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी शुरू की और महज 24 घंटे के भीतर 3 मई को आरोपी ससुर जयपाल को दबोच लिया। सोमवार, 4 मई को पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। इस त्वरित कार्यवाही में निरीक्षक अजय कुमार, एसआई प्रमोद कुमार और उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

करोड़ों की इमारत में डॉक्टर नदारद

वार्ड बॉय के भरोसे तड़पती रही लहूलुहान वृद्धा

शहडोल। सरकार विज्ञापन की चमचमाती फाइलों में मुफ्त इलाज और हाईटेक अस्पतालों के दावे ठोंकते नहीं थकती, लेकिन जिले के बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दावों की पोस्टमार्टम करती एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसे देखकर किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह कांप जाए। यहां अस्पताल की सफेद दीवारों के पीछे लापरवाही का जो काला खेल चल रहा है, उसकी ताजा शिकार बनी एक 70 वर्षीय बेबस वृद्धा।

डॉक्टरों की जगह पसरा सन्नाटा

मामला जिला मुख्यालय से सटे बुढ़ार का है, जहां खैरहा निवासी कर्मुन्निशा उम्र 70 वर्ष अपने नाती मो. तौहीत के साथ आंखों के इलाज के लिए रायपुर जाने का सपना लेकर घर से निकली थीं। किसे पता था कि स्टेशन पहुंचने से पहले ही उन्हें सरकारी सिस्टम की अंधेरगर्दी का सामना करना पड़ेगा। अस्पताल के पास ही बाइक में कपड़ा फंसने से वृद्धा सडक़ पर जा गिरीं। सिर फट गया, खून की धार बह निकली और दाहिना हाथ दो टुकड़ों में बंट गया। राहगीरों ने मानवता दिखाई और उन्हें तुरंत बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन जैसे ही वे अस्पताल के भीतर दाखिल हुए, मानवता शर्मसार हो गई। ड्यूटी का समय होने के बावजूद अस्पताल से डॉक्टर इस तरह गायब थे जैसे वे किसी सरकारी सेवक नहीं, बल्कि किसी प्राइवेट प्रैक्टिस के बंधुआ हों।

जब वार्ड बॉय बन गया मुन्ना भाई...

अस्पताल के भीतर दर्द से कराहती कर्मुन्निशा की चीखें गूंजती रहीं, फर्श उनके खून से लाल होता रहा, लेकिन वहां कोई सफेद कोट वाला भगवान नजर नहीं आया। जब सब्र का बांध टूट गया और

वृद्धा की हालत बिगडऩे लगी, तब एंट्री हुई महेश सिंह नामक एक आउटसोर्स कर्मचारी (वार्ड बॉय) की। हैरत की बात यह है कि जिस मरीज को स्पेशलिस्ट की जरूरत थी, जिसे आईसीयू या इमरजेंसी केयर मिलना चाहिए था, उसका इलाज एक वार्ड बॉय करने लगा। महेश सिंह ने खुद को वार्ड बॉय बताते हुए वृद्धा के जख्मों पर पट्टी बांधना शुरू किया। सवाल यह उठता है कि क्या स्वास्थ्य विभाग ने अब डॉक्टरों की डिग्रियां रद्दी में फेंक दी हैं?

साहिब जब फुर्सत में आए, तब मिला इलाज

काफी देर तक मौत और जिंदगी के बीच झूलती

वृद्धा और उनके परिजनों के आक्रोश के बाद, एक डॉक्टर साहब शाही अंदाज में अस्पताल पहुंचे। तब जाकर वृद्धा को वह उपचार मिला जो उन्हें अस्पताल पहुंचते ही मिलना चाहिए था, लेकिन इस देरी ने कई सवाल छोड़ दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बुढार अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी अब बर्दाश्त के बाहर हो चुकी है। ड्यूटी चार्ट महज एक कागज का टुकड़ा बनकर रह गया है। गरीब मरीज जब तड़पता है, तो उसे रेफर करने का झुनझुना थमा दिया जाता है या फिर वार्ड बॉय के भरोसे छोड़ दिया जाता है। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री और जिले के आला अधिकारियों के मुंह पर करारा तमाचा है। एक तरफ आम जनता टैक्स भर रही है, ताकि उसे स्वास्थ्य लाभ मिले और दूसरी

तरफ बुढार जैसे केंद्रों में मौत का सामान सजाया जा रहा है।

कलेक्टर साहब, अब तो नजर इनायत कीजिए!

शहडोल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। बुढार की यह घटना महज एक बानगी है। जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि एक्शन चाहती है। क्या उन लापरवाह डॉक्टरों पर एफआईआर दर्ज होगी जो ड्यूटी से नदारद थे? क्या उस वार्ड बॉय पर कार्रवाई होगी जिसने नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टर बनने की कोशिश की? या फिर हमेशा की तरह मामले को ठंडे बस्ते में डालकर किसी और बड़ी अनहोनी का इंतजार किया

जाएगा? बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अब विश्वास का केंद्र नहीं, बल्कि दहशत का अड्डा बन गया है। अगर समय रहते जिम्मेदार नहीं जागे, तो वह दिन दूर नहीं जब लोग अस्पताल जाने के बजाय घर पर दम तोडऩा बेहतर समझेंगे। स्वास्थ्य विभाग की इस गुंडागर्दी पर अब जनता जवाब मांग रही है।

इनका कहना है...

डॉक्टर को समय पर आना चाहिए और वह कौन वार्ड बॉय हो जो इलाज कर था , इस मामले को मैं दिखवाती हूं।

डॉ. शैली जैन
बीएमओ, बुढ़ार

शासकीय संरचनाओं को राजस्व रिकार्ड में कराएं दर्जः कलेक्टर

चिन्हित गर्भवती माताओ को दें चिकित्सकीय परामर्शः डॉ. केदार सिंह

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए कि जिले में जिन शासकीय संरचनाओं एवं अमृत सरोवरों को अभी तक राजस्व रिकार्ड में दर्ज नही किया गया है उन्हें प्राथमिकता के साथ राजस्व रिकार्ड में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले में चिन्हित गर्भवती माताओ के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु सतत रूप से मैदानी चिकित्सकीय अमले द्वारा निगरानी रखी जाएं तथा जरूरत होने पर उनका समय पर उपचार करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले में गेंहू उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी अपने क्षेत्रांतर्गत गेंहू उपार्जन केंद्रो का निरीक्षण करें एवं यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उपार्जन केंद्रो में आने वाले किसानो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रो में छायादार बैठक व्यवस्था, पेयजल, बारदाने, तौलकांटे सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग सहित अन्य विभागो में सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतो के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतो का प्राथमिकता के साथ निराकरण कराएं, कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

अस्पतालों की दौड़ और फिर पैरालिसिस का दंश

एक्सपायरी दवा ने उजाड़ी वृद्ध महिला की दुनिया

शहडोल। जिले के सिंहपुर में मानवता को शर्मसार और व्यापारिक नैतिकता को तार-तार करने वाला एक खौफनाक मामला सामने आया है। यहां एक मेडिकल स्टोर संचालक की कथित लापरवाही और लालच ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। नातिन की शादी की खुशियां मना रही एक 65 वर्षीय वृद्धा को जीवनदान के नाम पर ऐसी दवा थमा दी गई कि वह जिंदगी भर के लिए बिस्तर पर आ गई और लकवा (पैरालिसिस) का शिकार हो गई। जानकारी के मुताबिक, नवलपुर निवासी रामकली पाल अपनी नातिन की विदाई के बाद चौथी कार्यक्रम में शामिल होने डिंडौरी जा रही थीं। रास्ते में अचानक उल्टियां होने पर परिजनों ने सिंहपुर स्थित श्रीवास्तव मेडिकल स्टोर से ओडम नामक दवा खरीदी। परिजनों का सीधा आरोप है कि मेडिकल स्टोर संचालक ने बिना किसी डॉक्टर की सलाह के एक्सपायरी (अवधि पार) या घटिया स्तर की दवा थमा दी। दवा गले से उतरते ही राहत मिलने के बजाय रामकली की हालत इतनी बिगड़ी कि वे मौके पर ही सुध-बुध खो बैठीं।तबीयत बिगड़ते ही उन्हें आनन-फानन में डिंडौरी और फिर शहडोल जिला अस्पताल ले जाया गया। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, तो उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने जो बताया उसने परिजनों के पैरों तले जमीन खिसका दी, गलत या जहरीली दवा के असर से वृद्धा का शरीर लकवाग्रस्त हो चुका था। यह घटना जिले के ड्रग इंस्पेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के दावों की पोल खोलती है। क्या मेडिकल स्टोर अब कत्लगाह बन चुके हैं? बिना पर्ची और एक्सपायरी दवा बेचने वाले इन सफेदपोश अपराधियों पर नकेल कब कसी जाएगी, परिजनों का आक्रोश चरम पर है और वे इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं। यदि समय रहते श्रीवास्तव मेडिकल स्टोर जैसे संस्थानों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो न जाने और कितनी रामकली इन झोलाछाप व्यापारियों की भेंट चढ़ेंगी।

शिक्षा जगत के सारथी पंडित विष्णु दास मिश्रा ने ली विदाई

43 वर्षों के स्वर्णिम अध्याय का हुआ समापन

शहडोल। शिक्षा के मंदिर में साढ़े चार दशकों तक निष्ठा की ज्योत जलाने वाले, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित विष्णु दास मिश्रा मंगलवार को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के रूप में उन्होंने 43 वर्ष और 2 माह की एक ऐसी पारी खेली, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता का जीवंत दस्तावेज है।

विदाई नहीं, सम्मान का महोत्सव

विदाई समारोह में उमड़ा जनसैलाब इस बात का गवाह बना कि मिश्रा जी केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षकों के पथ-प्रदर्शक रहे हैं। वर्तमान में संभागीय सह-संगठन मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे मिश्रा जी के विदाई मंच से वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि उनका जाना केवल एक पद की रिक्ति है, उनके द्वारा स्थापित आदर्श सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

पारिवारिक और सामाजिक उपस्थिति

मंच संचालन करते हुए प्रकाश नारायण द्विवेदी ने उन्हें सादगी का पर्याय बताया। इस भावुक क्षण में उनके बड़े भाई लालमणि मिश्रा, पार्षद भतीजे पूर्णेन्दु मिश्रा, अनुज जितेंद्र व वेद प्रकाश मिश्रा सहित पुत्र कृष्णा मिश्रा भी साक्षी बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष लाल जी तिवारी और विनोद सिंह उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार जे.पी. सिंह परिहार, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं की नम आंखों ने इस विदाई को यादगार बना दिया। शिक्षक जगत ने संकल्प लिया कि श्री मिश्रा द्वारा दिखाए गए सेवा के मार्ग पर वे अडिग रहेंगे।

नगर पालिका की सेल पर शिवाजी पार्क

शहडोल। जिले की धनपुरी नगर पालिका की नाक के नीचे शहर की अस्मत और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का एक ऐसा खेल चल रहा है, जिसे देखकर व्यवस्था की नीयत पर सवाल उठने लाजिमी हैं। जिस शिवाजी पार्क को कभी शहर का फेफड़ा और हरियाली का स्वर्ग कहा जाता था, उसे जिम्मेदार अधिकारियों ने चंद रुपयों के लालच में शादी-ब्याह का अड्डा बना दिया है। आज यह पार्क अपनी बदहाली पर खून के आंसू रो रहा है और नगर पालिका गहरी नींद में सोई है।

नौनिहालों का बचपन नीलाम, शादी-ब्याह के शोर में दफन हुआ सुकून

हरियाली की चिता पर सज रहे मंडप

कभी जो पार्क फूलों की खुशबू से महकता था, आज वहां जूठन की सड़ांध और प्लास्टिक का अंबार लगा है। शादी-ब्याह के आयोजनों ने पार्क के सीने को छलनी कर दिया है। टेंटों के भारी-भरकम खंभों ने हरियाली को रौंद डाला है, और बचा हुआ बासी खाना खुले में फेंक कर पूरे वातावरण को नरक में तब्दील कर दिया गया है। सवाल यह है कि क्या नगर पालिका के पास सामुदायिक भवनों की कमी है जो एक सार्वजनिक पार्क को मैरिज गार्डन की तरह किराए पर चढ़ाया जा रहा है?

सिर्फ कचरे के ढेर और उजड़े हुए पार्क देंगे?

नौनिहालों का हक डकार गया प्रशासन

सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि इस खेल में शहर के मासूम बच्चों का बचपन कुचला जा रहा है। खेल के मैदान और हरियाली के अभाव में नई पीढ़ी घरों में कैद होने को मजबूर है। पार्क के झूले टूटे पड़े हैं और जहां बच्चों की किलकारियां गूंजनी चाहिए थीं, वहां अब डीजे का शोर और शराबियों का जमावड़ा नजर आता है। प्रशासन की इस चुप्पी ने यह साफ कर दिया है कि उन्हें बच्चों के भविष्य से ज्यादा आयोजनों से मिलने वाले राजस्व की फिक्र है।

80 का दशक याद कर सिहर उठते हैं बुजुर्ग

इलाके के बुजुर्गों की आंखों में आज भी वो मंजर कैद है, जब 80 के दशक में शिवाजी पार्क शहर की शान हुआ करता था। लोग सुकून की दो घड़ी बिताने यहां आते थे, लेकिन आज वही बुजुर्ग अपने पोते-पोतियों को हाथ पकडक़र यहां लाने से कतराते हैं। पार्क की दुर्दशा देखकर पुराने लोग मायूस हैं—क्या विकास का मतलब विनाश है? क्या आने वाली पीढ़ी को हम विरासत में

अब आर-पार की लड़ाई की जरूरत!

धनपुरी की जनता अब पूछ रही है—क्या शिवाजी पार्क को उसकी पुरानी पहचान वापस मिलेगी? या फिर इसी तरह रसूखदारों के आयोजनों की बलि चढ़ता रहेगा यह पार्क? अगर समय रहते प्रशासन ने आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया और पार्क के पुनरुद्धार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो वह दिन दूर नहीं जब यह पार्क पूरी तरह से एक डंपिंग यार्ड बनकर रह जाएगा।

तीन राज्यों में जीत पर शहडोल भाजपा ने मनाया जश्न

झालमुड़ी और आतिशबाजी का अनूठा संगम

शहडोल। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावी रण में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत की गूंज शहडोल के हृदय स्थल न्यू गांधी चौक पर साफ सुनाई दी। सोमवार को जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी, गाजे-बाजे और नारों के साथ जीत का ऐसा उत्सव मनाया कि पूरा वातावरण मोदीमय हो गया। विजयात्सव को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने इस जीत को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों की जीत बताया। उन्होंने तीखे प्रहार करते हुए कहा कि आज बंगाल की जनता को ममता बनर्जी के आतंक और चंगुल से निजात मिली है। यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य और आने वाली पीढ़ी के साथ न्याय की जीत है। अब बंगाल में खून की राजनीति नहीं, बल्कि भगवा रंग की विकास वाली होली खेली जाएगी। डबल इंजन की सरकार से अब मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ वहां के नागरिकों को मिलेगा।

कार्यकर्ताओं ने बंगाल की प्रसिद्ध झालमुड़ी और मिठाइयां एक-दूसरे को खिलाकर जीत की खुशियां साझा कीं। जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और गृहमंत्री अमित शाह के कुशल रणनीति का ही परिणाम है कि भाजपा आज अजेय बढ़त बना रही है।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, राजेंद्र भारती, प्रकाश जगवानी, गिरधर प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में वरिष्ठ नेता और मातृशक्ति उपस्थित रहीं। देशभक्ति गीतों और जयकारों के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था। नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, अमित मिश्रा और शक्ति लक्ष्यकार सहित दर्जनों पदाधिकारियों ने इस विजय को पार्टी की नीतियों के प्रति जनता का अटूट विश्वास करार दिया।

खबर संक्षेप

दो और चार पहिया वाहन आपस में भीड़े

कोतमा। सड़क दुर्घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है वहीं वाहन चालकों के द्वारा तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही है। रविवार को रात्रि लगभग 9 बजे कोतमा केशवाही रोड में किसान पैट्रोल पंप के पास मोड में दो चार पहिया वाहन आपस में भीड़ गए जिसके कारण दोनों वाहनों को नुकसान हुआ एक वाहन का सामने का बोनट काफी क्षतिग्रस्त हो गया वहीं दूसरे वाहन में भी काफी नुकसान है। बताया जाता है कि एक चार पहिया वाहन बलबहरा से कोतमा एवं एक चार पहिया वाहन कोतमा की ओर से केशवाही की तरफ जा रही थी दोनों वाहन तेज रफ्तार मे थे और अचानक मोड मे आमने-सामने से टक्कर हो गई जिसके कारण दोनों वाहन के अंदर बैठे लोगो को हल्की चोट लगी जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा मे भर्ती कराया गया घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई।

चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में हर रविवार लगता है निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में मानव सेवा की अनवरत ज्योति प्रज्वलित करते हुए चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। यह चिकित्सालय श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित है, जो विगत लगभग 30 वर्षों से क्षेत्रवासियों के लिए सेवा, समर्पण और करुणा का जीवंत उदाहरण बना हुआ है। रविवार को आयोजित शिविर में कुल 55 मरीजों का पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) किया गया, जिनका समुचित स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की गईं। इस दौरान विशेष रूप से लकवा (पैरालिसिस) एवं मिर्गी रोग से संबंधित जांच एवं परामर्श शिविर भी आयोजित किया गया, जिससे पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन मिल सका। शिविर में अपनी सेवाएँ प्रदान करने वालों में डॉ. रजनीश पाण्डेय, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, फार्मासिस्ट अभिषेक मिश्रा, लैब टेक्नीशियन राजेश कुमार तिवारी सहित सहयोगी कार्यकर्ता रामस्नेही, सुखनंदन सिंह एवं प्रीतम प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा। सभी ने समर्पित भाव से मरीजों की सेवा करते हुए इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। इस साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर में दूर-दराज से आने वाले मरीजों को न केवल स्वास्थ्य परीक्षण और दवाइयाँ, बल्कि निशुल्क भोजन की भी व्यवस्था की जाती है, जो इस सेवा को और अधिक मानवीय एवं प्रेरणादायक बनाती है। श्री कल्याण सेवा आश्रम की यह पहल समाज में सेवा भाव को सशक्त करने के साथ-साथ यह संदेश भी देती है कि निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य ही सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा है। अमरकंटक की इस पुण्यभूमि पर संचालित यह चिकित्सालय आज भी निरंतर जनकल्याण के पथ पर अग्रसर है।

एम.पी.ई-सेवा - पोर्टल पर आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करने के दिए गए निर्देश

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि विभिन्न विभागीय पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को प्रदाय की जा रही सेवाओं को एकीकृत करते हुए राज्य शासन द्वारा एक पोर्टल एवं मोबाईल एप्प (एमपीईसेवा) विकसित किया गया है। पोर्टल पर वर्तमान में 500 से अधिक सेवायें लाईव (संचालित) की जा चुकी हैं एवं शेष अन्य सेवाओं को इस प्लेटफार्म से जोड़े जाने का कार्य प्रगति पर है। एम.पी.ई-सेवा मोबाईल एप्लीकेशन एन्ड्रोइड एवं एप्पल यूजर के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल स्टोर से निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। उन्होने बताया कि एम.पी.ई-सेवा पोर्टल की समग्र प्रोफाइल के आधार पर शासकीय योजनाओं के पात्रता की जाँच,जिससे नागरिक उपयुक्त शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठा सकते हैं।रियल-टाइम आवेदन ट्रैकिंग एवं स्थिति ज्ञात किए जाने की सुविधा,डिजिटल प्रमाणपत्र डाउनलोड की सुविधा,इंटीग्रेटेड पेमेंट गेटवे सुविधा,सिंगल साइन-ऑन सुविधा उपलब्ध है। उन्होने जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन से कहा है कि आप अपने विभाग के द्वारा प्रदाय की जा रही समस्त प्रकार की सेवायें यदि एम.पी ई-सेवा से जुडी है तो हितग्राहियों/नागरिकों को एम.पी.ई-सेवा -सेवा पोर्टल पर आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

कलेक्टर ने खुद ट्रक चलाकर किया जनगणना रथ का शंखनाद

सटीक जानकारी ही विकास का आधार: डॉ. केदार सिंह

शहडोल।

जिले में जनगणना 2026 के महाभियान की भव्य शुरुआत हुई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जागरूकता के लिए तैयार किए गए विशालकाय जनगणना रथ को हरी झंडी दिखाने के साथ-साथ खुद स्टीयरिंग संभालकर उसे चलाया। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे गणना कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें और अपनी सही जानकारी दर्ज कराकर देश की प्रगति में भागीदार बनें।

जब कलेक्टर बने रथ के सारथी

शहडोल जिला प्रशासन ने जनगणना के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए एक अभिनव पहल की है। जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उस वक्त हर कोई हैरान रह गया, जब कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने केवल औपचारिकता के लिए हरी झंडी नहीं दिखाई, बल्कि वे खुद एक चालक (ड्राइवर) की भूमिका में नजर आए। उन्होंने विशालकाय ट्रक, जिसे एक आधुनिक जनगणना रथ के रूप में परिवर्तित किया गया है, की केबिन में चढक़र इंजन स्टार्ट किया और उसे कलेक्ट्रेट परिसर से मुख्य मार्ग तक चलाकर ले गए। इस दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपने बयान में कहा जनगणना राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है। मैं खुद इस गाड़ी को चलाकर यह संदेश देना चाहता हूँ कि शासन का प्रत्येक स्तर इस कार्य के लिए समर्पित है। हमारा उद्देश्य है कि जिले का एक भी व्यक्ति इस गणना से न छूटे। उन्होंने आगे कहा कि रथ के माध्यम से हम डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंचेंगे ताकि वे जनगणना के महत्व को समझ सकें।

डिजिटल जनगणना और रथ की विशेषताएं

यह जागरूकता रथ आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें एक विशालकाय एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिस पर जनगणना के विभिन्न चरणों, पूछे जाने वाले प्रश्नों और इसके लाभों से संबंधित वीडियो दिखाए जाएंगे। यह रथ जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी वार्डों में भ्रमण करेगा। अभियान की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए कलेक्टर ने दूसरा महत्वपूर्ण बयान दिया, इस बार की जनगणना डिजिटल स्वरूप में है। 1 मई से शुरू होने वाली प्रारंभिक प्रक्रियाओं के बाद, विभिन्न चरणों में मकानों का सूचीकरण और फिर जनसंख्या की गिनती की जाएगी। जनता को यह समझना होगा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही अगले 10 वर्षों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे की योजनाएं तैयार की जाएंगी।

गणना कर्मचारियों का करें सहयोग

जनगणना अभियान को सफल बनाने के लिए हजारों प्रगणकों (कर्मचारियों) की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर ने विशेष रूप से कर्मचारियों की सुरक्षा और उनके स्वागत पर जोर दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में तीसरी बार दोहराया जब गणना दल आपके घर आए, तो उन्हें अपना मित्र समझें। उनसे कोई भी जानकारी न छुपाएं। आपकी गोपनीयता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन आपकी सत्यता जिले के विकास के लिए अनिवार्य है। कर्मचारियों को सहयोग देना हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

भारत सरकार और मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह अभियान विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर केंद्रित है जहाँ साक्षरता या जागरूकता की कमी है। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना के डेटा का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है, अतः किसी भी व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में संकोच नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अपने चौथे और अंतिम बयान में जिलेवासियों को प्रेरित करते हुए कहा शहडोल को विकास की दौड़ में अग्रणी रखने के लिए हमें अपनी संख्या और अपनी जरूरतों का सही डेटा सरकार तक पहुँचाना होगा। आइए, इस जनगणना रथ का स्वागत करें और एक जागरूक नागरिक होने का परिचय दें। कलेक्टर के इस अनूठे प्रयास और स्वयं ट्रक चलाकर अभियान की शुरुआत करने की चर्चा पूरे संभाग में हो रही है। यह रथ अब जिले के हर कोने में जाकर सरकार के विकास के संकल्प को घर-घर पहुंचाएगा।

सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग कर किया गया अवैध कब्जा

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

ग्राम पंचायत बुढानपुर मे सरकारी संपत्ति का कैसे निजी व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग किया जाता है इसका जीता जागता प्रमाण तब देखने को मिला जब कोतमा से केशवाही जाने वाले रास्ते में बंजारी तिराहा के आगे एक व्यक्ति के घर के सामने लगे सरकारी हैंड पंप में हैंडल के पास नीचे से एक व्यक्ति के द्वारा हैंड पंप के अंदर सबमर्सिबल पंप डाल दिया गया है और एक प्लास्टिक की पाइप बाहर निकलते हुए पानी का उपयोग निजी हित मे किया जा रहा है। जबकि सरकारी हैंडपंप में निजी मोटर पंप फिट करना एक गंभीर अपराध है और यह सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग तथा अवैध कब्जा माना जाता है। ऐसे मामलों में प्रशासन के द्वारा सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जिसमें मोटर की जप्ती करते हुए जुर्माना की कार्यवाही करनी चाहिए। सार्वजनिक हैंडपंप पर निजी समरसेबल मोटर लगाकर पानी का निजी इस्तेमाल करना कानूनी रूप से गलत है। जबकि यह मुख्य मार्ग में स्थित है लेकिन इस पर ना तो ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों की नजर पड़ रही है और ना ही पीएचसी विभाग के अधिकारियों की। एक और लोग भीषण गर्मी के कारण पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं और दूसरी ओर सरकारी हैंड पंप में सबमर्सिबल मोटर पंप लगाकर निजी व्यक्ति के द्वारा निजी उपयोग में पानी का उपयोग किया जा रहा है जिसके कारण आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कलेक्टर ने समयसीमा बैठक में की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग लंबित शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों एवं फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग की शिकायतों के निराकरण में धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।विभिन्न विभागों की अधिकारियों के समय पर नहीं पहुंचने पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए समय पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी।

महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभाग जिनकी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में कमजोर प्रगति है उन पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने एक सप्ताह के भीतर स्पष्ट सुधार लाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के कर्मचारी द्वारा शिकायत संबंधी जानकारी समयसीमा बैठक में प्रस्तुत न कर पाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए विभाग प्रमुख रोहित जैन सहित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यालय छोडऩे से पूर्व अनिवार्य रूप से लिखित अनुमति प्राप्त करें, अन्यथा कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर द्वारा वन विभाग से संबंधित समस्याओं के निराकरण पर भी विशेष जोर दिया गया तथा सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,अमित सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

माह के प्रथम कार्य दिवस की वंदेमातरम गायन के साथ की गई शुरूआत

उमरिया।

कलेक्ट्रेट परिसर में माह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित होने वाले पारंपरिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की उपस्थिति में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। श्रीमती राखी सहाय ने सभी को समय की पाबंदी, अनुशासन एवं अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से न केवल राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होती है, बल्कि कार्यालयीन कार्य संस्कृति में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले , डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युश श्रीवास्तव सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

मई में मौसम ने अचानक ली करवट, भीषण गर्मी और हीटवेव से बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पिछले कुछ दिनों से बादल छाए रहने के साथ-साथ हल्की से मध्यम बारिश और तेज़ हवाएं चल रही हैं। बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में सामान्य से गिरावट दर्ज की गई है, जिससे तपिश कम हुई है। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे आंधी तूफान के साथ बारिश होने से मौसम ठंडा हो गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की थी कि मौसम विभाग मे 3 मई से 5 मई तक आंधी-तूफान के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा। आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज बदला रहने की संभावना है। 5-6 मई तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। यह बदलाव मुख्य रूप से पश्चिमी विक्षोभ स्थानीय मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण आया है, जो मई की सामान्य भीषण गर्मी से राहत दिला रहा है। मौसम विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने के निर्देश जारी किया है और कहा है कि तेज़ हवाओं के दौरान पेड़ों और बिजली के तारों से दूर रहें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। आने वाले 24 घंटो के दौरान अधिकतम तापमान में 2-4 की गिरावट हो सकती है। इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। लोग गर्मी से परेशान है। भीषण गर्मी में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। 30 अप्रैल से अचानक मौसम में बदलाव आने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम में ठंडक घुल गई है। शनिवार को रात्रि 8 बजे के बाद तेज आंधी तूफान चलने के साथ ही बारिश का दौर जारी रहा आंधी तूफान के कारण जगह-जगह बड़े-बड़े पेड़ धराशाई हो गए थे। रविवार को भी मौसम में परिवर्तन देखने को मिला दोपहर तक तेज धूप के बाद आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगी। रविवार सोमवार की दरमियानी रात तेज बारिश हुई जिसके कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली। सोमवार को भी दोपहर 12 बजे तक तेज धूप निकली उसके बाद आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगी जिसके कारण मौसम में ठंडक भूल गई दोपहर 3 बजे से तेज आंधी तूफान के साथ ही गरज चमक के साथ ही रिमझिम रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया जिसके कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सोमवार को भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण दिन में चलने वाली लु जैसी गर्म हवाओं का असर ज्यादा नहीं था।

पालक-शिक्षक संवाद से सुदृढ़ होंगे शिक्षा के आयाम, जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026-27 की प्रथम पीटीएम बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पालक-शिक्षक संघ (पीटीएम) की प्रथम बैठक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय सभा हाल में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने संगीत शिक्षक के निर्देशन में सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायी हो उठा। पंजीयन समिति द्वारा आगंतुक अभिभावकों का विधिवत पंजीयन किया गया, जिसमें सचिन जाटव, श्रीमती नीता सिंह एवं सुश्री वैष्णवी का सराहनीय योगदान रहा। बैठक में शिक्षक राजीव कुमार झा ने विद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए अभिभावकों को विद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। कार्यक्रम में अतुल सिंह एवं आशीष सिंह का सहयोग प्रशंसनीय रहा। प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अभिभावकों से सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि विद्यालय की गरिमा, नियमों एवं मर्यादाओं का पालन सभी की साझा जिम्मेदारी है। साथ ही अभिभावकों से अपने बच्चों को अनुशासित, संस्कारित एवं लक्ष्य के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। बैठक में अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़, अनूपपुर, जैतहरी एवं कोतमा विकासखंडों से कुल 25 अभिभावकों (15 पुरुष एवं 10 महिला) को पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के रूप में चयनित किया गया। वरिष्ठ हिंदी शिक्षक महेश प्रसाद चुनगुटिया ने बैठक के प्रमुख बिंदुओं को विस्तारपूर्वक समझाया, वहीं शिक्षिका श्रीमती मनोरमा कौशल ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उपस्थित अभिभावकों से भी सुझाव एवं परामर्श आमंत्रित किए गए, जिससे संवादात्मक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ शिक्षक डीएस सेंगर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह बैठक विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।

खबर संक्षेप

घुघरी में पेयजल सप्लाई शुरू,नलों में पहुँचा पानी

उमरियापान। उमरियापान क्षेत्र के घुघरी में पिछले एक सप्ताह से गहराए पेयजल संकट को लेकर प्रकाशित खबर का असर अब देखने को मिला है। हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद पंचायत का जिम्मेदार अमला हरकत में आया और बंद पड़ी जल सप्लाई को पुनः शुरू कराया।गौरतलब है कि भीषण गर्मी के बीच घुघरी गांव में नल-जल योजना ठप होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। महिलाएं और बच्चे हैंडपंपों पर लंबी कतारों में लगकर पानी भरने को मजबूर थे। कई हैंडपंप भी खराब स्थिति में थे, जिससे समस्या और विकराल हो गई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद ग्राम पंचायत सचिव-सरपंच ने तत्काल संज्ञान लेते हुए समर्शियल पंप ठीक कराया। इसके बाद गांव में पुनः पेयजल सप्लाई शुरू कर दी है।

हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा 11 से 14 मई तक

कटनी। 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' के अंतर्गत हरिद्वार-ऋषिकेश की तीर्थ यात्रा 11 मई 2026 से 14 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। यात्रा हेतु विशेष ट्रेन दमोह से प्रारंभ होकर कटनी, सतना होते हुए हरिद्वार जाएगी और इसी मार्ग से वापस लौटेगी। इस यात्रा के लिए कटनी जिले को कुल 262 सीटें आवंटित की गई हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत हरिद्वार ऋषिकेश तीर्थयात्रा हेतु आमजन से आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं संपूर्ण व्यरवस्थो करने हेतु शहरी क्षेत्र से नगर निगम स्तर पर उपायुक्तत, नगर पालिका व नगर परिषद स्तेर पर मुख्यी नगर पालिका अधिकारी और ग्रामीण एवं विकासखंड स्त,र पर संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए (महिलाओं के लिए 2 वर्ष की छूट है)। 65 वर्ष से अधिक आयु के आवेदक अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं। यदि पति-पत्नी साथ यात्रा कर रहे हैं, तो उनमें से एक की आयु पात्रता होने पर दूसरे को भी पात्रता मिलेगी। आवेदन पत्र के साथ समग्र आईडी, वोटर आईडी या आधार कार्ड संलग्न करना अनिवार्य है।

जिला चिकित्सालय को भेंट किया 'डेड बॉडी फ्रीजर'

कटनी। मुड़वारा विधायक संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल ने मानव कल्यारण और पीड़ित मानवता की सेवा की दृष्टि से जिला चिकित्सालय के पोस्टमार्टम गृह (शव गृह) के लिए विधायक निधि से चार कैबिनेट वाला अत्याधुनिक डेड बॉडी फ्रीजर उपलब्ध कराया है। इस फ्रीजर की कुल लागत 6 लाख 50 हजार रुपये है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजसिंह ठाकुर ने बताया कि अक्सर कानूनी प्रक्रियाओं, मेडिकल जांच या अंतिम संस्कार में देरी होने के कारण शवों के खराब होने का डर बना रहता था। जनमानस की इसी जरूरत और समस्या को देखते हुए विधायक श्री जायसवाल ने स्टेनलेस स्टील से निर्मित चार कैबिनेट वाला फ्रीजर अस्पताल को सौंपा है। इससे मृतकों के शवों को सुरक्षित और ससम्मान रखा जा सकेगा। विधायक श्री जायसवाल स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार के प्रयास कर रहे हैं। इससे पूर्व भी उन्होंनेटी.बी. मरीजों के लिए 12 लाख 40 हजार रुपये की लागत वाली 'हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन' उपलब्ध कराई थी।साथ ही वे स्वयं 180 टी.बी. मरीजों के 'निक्षय मित्र' बने हैं, जिन्हें निरंतर 6 माह तक पोषण किट (फूड बास्केट) वितरित की जा रही है।

हमें जीतना है या सीखना है" मेधा, संस्कार और संकल्प का दिव्य उत्सव, प्रेरणा की अविरल धारा बना धनपुरी का सम्मान समारोह

धनपुरी। कोयलांचल की पावन और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत भूमि उस क्षण अद्भुत गौरव, उल्लास और आत्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठी, जब नवभारत जबलपुर की प्रेरणादायी पहल पर धनपुरी के इंडोर स्टेडियम में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक भव्य, गरिमामय और अविस्मरणीय समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि प्रतिभा, परिश्रम, संस्कार और सामाजिक चेतना का ऐसा समागम था, जिसने उपस्थित जनसमूह के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए समाज के लिए एक सशक्त और सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

इस भव्य आयोजन की परिकल्पना और क्रियान्वयन के पीछे नवभारत कोयलांचल क्षेत्र प्रभारी प्रदीप शर्मा की दूरदर्शी सोच, संवेदनशील दृष्टिकोण और शिक्षा के प्रति समर्पित भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। उन्होंने जिस उद्देश्य के साथ इस आयोजन को साकार किया—वह केवल प्रतिभाओं का सम्मान नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देना, समाज में शिक्षा के महत्व को प्रतिष्ठित करना और नई पीढ़ी को अपने लक्ष्य के प्रति सजग करना था। उनका यह प्रयास निस्संदेह एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर सामने आया है, जो आने वाले समय में समाज के अन्य वर्गों को भी प्रेरित करेगा। इस अवसर पर मंच पर विराजमान विभूतिया उस पल की साक्षी बने, मंचासीन विभूतियों के अलौकिक और ऊर्जावान सानिध्य से पूरा माहौल गरिमामई हुआ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयसिंहनगर क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी,कार्यक्रम मे सारस्वत अतिथि माननीय जिला न्यायाधीश हिदायतउल्ला खान साहब देपालपुर (इंदौर), विशिष्ट अतिथि नगर परिषद बुढार अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरवगी, वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा जी,मुकेश तिवारी जी पूर्व कुलपति शम्भु नाथ जी, श्रीकांत गीतानुरागी महराज कटकोना ,डॉक्टर राजेश पांडे, श्रीमति अनपा खान जिला परिवहन अधिकारी , पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनील जी, एम. ए. सिद्दीकी वर्कशॉप मैनेजर सोहागपुर छेत्र, कौशलेश पांडे सर्कुलेशन हेड नव भारत जबलपुर, डॉ शशि शंकर सुहाने, पार्षद आनंद कचेर, श्रीमती सुकृति सिंह पार्षद, गुड्डू दहिया, प्रवीण बाड़ोलिया पार्षद, स्कन्द सोनी पार्षद, पूर्व नगर पालिका अधिकारी रविकरण त्रिपाठी मंचसीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ—यह दृश्य मानो अज्ञान के तमस से ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ने की एक सजीव अभिव्यक्ति था। मंच पर विराजमान अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को दिव्यता और गरिमा से परिपूर्ण कर दिया। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ व फूलमाला के साथ हुआ,

आज का युग प्रतिस्पर्धा का - मनीषा

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का है, किंतु उससे कहीं अधिक यह प्रतिभा के उन्मेष का युग है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जब बच्चों की सफलता का सम्मान उनके माता-पिता की उपस्थिति में होता है, तब वह क्षण केवल उपलब्धि का नहीं, बल्कि संस्कारों और सपनों के साकार होने का उत्सव बन जाता है।

या तो हम जीतते हैं या सीखते है- शालिनी

नगर पंचायत बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अपने उद्बोधन में जीवन का अत्यंत गूढ़, किंतु सरल सत्य प्रस्तुत करते हुए कहा—"या तो हम जीतते हैं, या फिर सीखते हैं।" उनके इन शब्दों ने विद्यार्थियों के मन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और आत्मबल का संचार किया। उन्होंने असफलता को जीवन की पराजय नहीं, बल्कि सफलता की ओर अग्रसर होने का प्रथम सोपान बताया। शिक्षा को उन्होंने जीवन का वह प्रकाश कहा, जो मनुष्य को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर उजाले और आत्मबोध की दिशा में अग्रसर करता है।

माता-पिता एवं गुरुजनों का मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति - हिदायत

कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि, माननीय जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान ने अपने गरिमामयी और ओजस्वी उद्बोधन से कार्यक्रम को एक विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। उनकी वाणी में गहराई, संवेदनशीलता और अनुभव का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय अवसरों से परिपूर्ण है, किन्तु सफलता उन्हीं को प्राप्त होती है, जो अपने लक्ष्य को स्पष्ट कर, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ उस दिशा में अग्रसर होते हैं।

उन्होंने जीवन मूल्यों पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह जीवन ईश्वर का अनुपम उपहार है और माता-पिता एवं गुरुजनों का मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर अभ्यास जीवन का हिस्सा बन जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। उनके शब्दों ने विद्यार्थियों के मन में दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास की नई ज्योति प्रज्वलित कर दी।

कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण और आत्मीय क्षण वह था, जब माननीय न्यायाधीश श्री खान ने अपनी विशिष्ट शैली में ईश्वर स्तुति का सुमधुर गान प्रस्तुत किया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भावविभोरता से सराबोर कर दिया—

"हे ईश्वर मालिक हे दाता, हे जगत नियंता दीनबंधु, हे परमेश्वर प्रभु हे भगवन, हे प्रतिपालक हे दया सिन्धु, सभ्यता यशस्वी हो जाए, मानवता का फैले प्रकाश, सब दिव्य दृष्टि के पोषक हों, कर दो कुदृष्टि का सर्वनाश,

इन पंक्तियों ने केवल वातावरण को ही नहीं, बल्कि हर श्रोता के अंतर्मन को भी स्पंदित कर दिया। यह प्रस्तुति शिक्षा, संस्कार, राष्ट्रप्रेम और मानवीय मूल्यों का अद्वितीय संगम थी, जिसने कार्यक्रम को एक आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की।

ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक चेतना का संचार करते हैं-मरावी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जैतपुर विधायक श्री जय सिंह मरावी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए कहा कि यही प्रतिभाएँ आने वाले समय में देश की प्रगति की धुरी बनेंगी। उन्होंने अभिभावकों के समर्पण और आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक चेतना का संचार करते हैं और युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों मेधावी छात्र-छात्राओं को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा और गौरव का प्रतीक हैं।

कार्यक्रम के मंच संचालन की बात करें, तो धनपुरी की शान, शब्दों के सशक्त शिल्पी एवं कोल इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अजय द्विवेदी ने अपनी ओजस्वी, प्रभावशाली और सजीव शैली से पूरे आयोजन में प्राण फूंक दिए। उनकी वाणी की मधुरता, शब्दों की सटीकता और प्रस्तुति की प्रभावशीलता ने कार्यक्रम को निरंतर ऊर्जावान बनाए रखा। वे केवल मंच संचालक नहीं, बल्कि कार्यक्रम की आत्मा बनकर उपस्थित रहे, जिन्होंने हर क्षण को जीवंत और स्मरणीय बना दिया।

अंत में कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप शर्मा 'भोलू' ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका यह प्रयास केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, शिक्षा के प्रति उनका समर्पण और भविष्य की पीढ़ी के प्रति उनका स्नेहपूर्ण दायित्व है।

विधायक जयसिंह मरावी के सार्थक प्रयास से 15 हाईस्कूल भवन निर्माण हेतु 60 करोड़ की मिली प्रशासकीय स्वीकृति

बुढ़ार। जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के सार्थक पहल एवं अनुशंसा से जैतपुर क्षेत्र के 15 शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण की स्वीकृति मिल जानें से नवीन भवन निर्माण का कार्य निर्धारित समय सीमा में प्रारंभ होगा और एक लम्बे समय से प्रतिक्षारत हाईस्कूल की समस्या से पंचायत वासियों को निजात मिल सकेगी। विधायक श्री मरावी के इस सार्थक पहल का क्षेत्रीय जनों ने स्वागत किया है।

जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरतरा में शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण का कार्य 3 करोड़ 96 लाख 26 हजार की लागत से पूर्ण कराया जायेगा। इसी तरह 14 अन्य स्वीकृति शासकीय हाई स्कूल को 3 करोड़ 96 लाख 26 के मान से स्वीकृत किया गया है, जो कुल 60 करोड़ है। म.प्र. शासन, आदिवासी विकास विभाग से इस निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। जैतपुर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत शासकीय हाईस्कूल बरतरा, करकटी,

सामतपुर, खोह, कंचनपुर, बेम्हौरी, सोनहा, जनपद सोहागपुर तथा शासकीय हाईस्कूल सेमरा, खैरहनी, केशवाही, चन्नौड़ी, बहगढ, मंझौली, खमरौध, बदौड़ी जनपद पंचायत बुढ़ार में हाईस्कूल भवन निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है।विधानसभा क्षेत्र जैतपुर के लोकप्रिय विधायक जयसिंह मरावी, क्षेत्रवासियों के आशाओं के अनुरूप विकास कार्यों की सौगात अर्जित करानें तत्पर रहे हैं और उनके प्रवास पर शासकीय हाईस्कूल निर्माण हेतु पंचायत क्षेत्र के नागरिकों ने ध्यानाकर्षण कराते हुये आकांक्षा व्यक्त की जिस पर विधायक जयसिंह मरावी ने तत्परता पूर्वक सार्थक पहल की और उनके अनुशंसा पर जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के जनपद बुढ़ार एवं सोहागपुर के 15 पंचायतों में नवीन हाईस्कूल भवन निर्माण हेतु 60 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति अर्जित हो सकी है। विधायक जयसिंह मरावी द्वारा नवीन हाईस्कूल भवन निर्माण की सौगात अर्जित कराये जानें पर पंचायत वासियों में आपार हर्ष व्याप्त है।

बुढ़ार स्टेशन के टेक्नीशियन का निधन

रेल कर्मचारियों और रेल नागरिक समिति में शोक की लहर

बुढ़ार। रेलवे स्टेशन में कार्यरत एक कर्तव्यनिष्ठ टेक्नीशियन के आकस्मिक और करुण निधन से रेल महकमे और स्थानीय निवासियों में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, बीते 01 मई को बुढार स्टेशन के तीसरी रेल पटरी को पार (रन ओवर) करते समय हुए हादसे में टेक्नीशियन का दुखद अंत हो गया। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई के लिए उनके गृह निवास ₹नैनीर भेज दिया गया है।

सुझावों की अनदेखी बनी हादसे का कारण?

इस हृदयविदारक घटना ने रेलवे प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी ढांचे पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। बुढ़ार रेल समिति ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि समय रहते उनकी मांगों पर गौर किया जाता, तो शायद आज यह स्थिति निर्मित न होती।

DRM से निरंतर की जा रही थी मांग

समिति ने स्पष्ट किया कि वे लंबे समय से बिलासपुर रेल मंडल के DRM महोदय से पत्राचार और भेंट कर सुरक्षा की मांग कर रहे थे। समिति की मुख्य मांग यह थी कि:बुढ़ार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 03 पर बने FOB (Foot Over Bridge) का विस्तार दक्षिण दिशा की ओर किया जाए।ब्रिज के विस्तार से रेल यात्री और कर्मचारी बिना किसी जानलेवा जोखिम के निर्भय होकर स्टेशन और प्लेटफॉर्म के बीच आवाजाही कर सकें।

हाल ही में सौंपा गया था मांग पत्र

गौरतलब है कि इसी विषय को लेकर समिति ने 24 अप्रैल 2026 को अनूपपुर प्रवास के दौरान राकेश रंजन DRM बिलासपुर से मुलाकात की थी और 04 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा था। डी आर एम ने इसे गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारी ₹आहूजा₹ जी को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए थे।समिति का वक्तव्यः > ₹हम बुढ़ार स्टेशन की समस्याओं को लेकर सदैव प्रयासरत रहे हैं और आगे भी रहेंगे। यदि पूर्व में ही FOB विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती, तो इस तरह की दुर्घटनाओं से कीमती जानें बचाई जा सकती थीं।₹इस दुखद घटना ने कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के बीच प्रशासन के प्रति रोष पैदा कर दिया है। अब सभी की निगाहें इस ओर टिकी हैं कि क्या इस हादसे के बाद रेलवे प्रशासन नींद से जागेगा और FOB विस्तार के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराएगा।

राजेंद्रा अंडरग्राउंड माइंस ने रचा कीर्तिमान, ग्रुप "B" में शानदार प्रदर्शन

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (**SECL**) सोहागपुर एरिया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली राजेंद्रा भूमिगत खदान ने कंपनी स्तर पर जारी अंडरग्राउंड माइंस ओवरऑल परफॉर्मेंस रिपोर्ट में ग्रुप "**B**" श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खदान ने उत्पादन से लेकर उत्पादकता तक सभी प्रमुख मानकों पर संतुलित और प्रभावी परिणाम देकर अपनी मजबूत कार्यशैली का परिचय दिया। कंपनी द्वारा निर्धारित पैरामीटर्स—कोल प्रोडक्शन, **CM/SDL/LHD** उत्पादन, प्रतिशत क्षमता उपयोग और उत्पादकता—में राजेंद्र माइंस ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थानों में जगह बनाई। खास बात यह रही कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और संसाधनों की सीमाओं के बावजूद टीम ने लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की।इस उपलब्धि के पीछे सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री बी. के. जेना का प्रभावी मार्गदर्शन अहम रहा। वहीं उप क्षेत्रीय प्रबंधक (**SAM**) श्री हरि बाबू खान प्रबंधक श्री बी. बी. बालाकृष्णा कि मेहनत ने **CM** के नेतृत्व में पूरी टीम ने समन्वय और अनुशासन के साथ कार्य करते हुए यह मुकाम हासिल किया।प्रबंधन ने श्रमिकों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और सुरक्षा मानकों के पालन की सराहना करते हुए इसे टीमवर्क का परिणाम बताया। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी इसी तरह के प्रदर्शन को बनाए रखते हुए उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में निरंतर सुधार किया जाएगा।राजेंद्रा खदान की इस सफलता से पूरे सोहागपुर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और यह उपलब्धि अन्य खदानों के लिए भी प्रेरणा बनकर उभरी है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए ननि के विशेष प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में बेहतर प्रदर्शन एवं उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण से संबंधित समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निगमायुक्त के निर्देशानुसार नागरिक सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए सिटीजन फीडबैक अभियान को विशेष रूप से गति प्रदान की गई है। इसके लिए वार्डवार विशेष दलों का गठन किया गया है, जो प्रत्येक वार्ड में घर-घर पहुंचकर नागरिकों से संपर्क स्थापित कर अधिक से अधिक सकारात्मक फीडबैक सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नगर निगम द्वारा स्वच्छता संबंधी गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

वृद्ध आश्रम में सामग्री का किया गया वितरण

कटनी। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कटनी के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष आशीष तिवारी के निर्देश पर बच्चन नायक वृद्ध आश्रम में सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सभापति सुशील कुमार शर्मा, रेड क्रॉस सचिव अभिनंदन शर्मा(मोनू), सदस्य गोविंद सचदेवा, जे.एस. लांबा, प्रशांत कुमठाकर, विजय सिंह ठाकुर, प्रियता सिंह ठाकुर, रामानुज सोनी, सोनू नागवानी, रुक्मणी, सीमांत दुबे, नीतू कनकने, संगीता संगतानी, पूजा अग्रवाल, अंशु, जितेंद्र सिंघानिया, शैलेंद्र शुक्ला, संचित जैन, सहित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे एवं वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनका हालचाल जाना। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिवअभिनंदन शर्मा ने उपस्थितजनों को रेड क्रॉस की स्थापना, उद्देश्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस सदैव मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा राहत एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

बंगवार अंडरग्राउंड खदान का परचम, SECL में ग्रुप "A" में ओवरऑल प्रथम स्थान

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (SECL) के सोहागपुर एरिया अंतर्गत संचालित बंगवार अंडरग्राउंड (UG) खदान ने इस वर्ष अंडरग्राउंड माइन्स के प्रदर्शन मूल्यांकन में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए ग्रुप "A" में ओवरऑल प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल है।जारी रिपोर्ट के अनुसार ग्रुप "A" में बंगवार UG प्रथम, बेहराबांद UG द्वितीय और कुर्जा UG तृतीय स्थान पर रही। यह रैंकिंग कोयला उत्पादन, मशीनों (CM/SDL/LHD) के उपयोग, ड्यूटी प्रबंधन, क्षमता उपयोग और उत्पादकता जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर तय की गई।बंगवार खदान ने 1.16% क्षमता उपयोग और 4.42 उत्पादकता के साथ बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाई। कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर उत्पादन बनाए

रखना इस खदान की विशेष उपलब्धि रही।इस सफलता के पीछे सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी. के. जेना के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, क्षेत्रीय भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान बंगवार द्वारा दिए गए सुझावों का भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। खदान स्तर पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह तथा खान प्रबंधक डी. आर. कुर्रे के कुशल नेतृत्व में पूरी टीम ने समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करते हुए यह मुकाम हासिल किया। प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय खदान के सभी श्रमिकों, तकनीकी स्टाफ और अधिकारियों की सामूहिक मेहनत को दिया है। मजदूर दिवस के आसपास मिली यह सफलता श्रमिकों के लिए विशेष सम्मान के रूप में देखी जा रही है।क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि बंगवार खदान का यह प्रदर्शन न केवल SECL के उत्पादन लक्ष्य को मजबूती देगा, बल्कि अन्य खदानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। आने वाले समय में भी इसी तरह के उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

पुष्पराजगढ़ में महिला बाल विकास एवं पुलिस टीम द्वारा समझाईश से रोका गया बाल विवाह

राजेन्द्रग्राम। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ के राजेन्द्रग्राम में एक संभावित बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन की टीम ने तत्काल हस्तक्षेप कर विवाह रुकवाने की प्रभावी कार्यवाही की है। राजेंद्रग्राम क्षेत्र में सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक, स्टॉफ एवं पुलिस बल संबंधित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया। टीम द्वारा कम उम्र में विवाह के गंभीर परिणामों और कानूनी दंड के बारे में दी गई काउंसलिंग के बाद, परिवार ने अपनी सहमति देते हुए विवाह को तत्काल स्थगित कर दिया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों और समुदायों में सतत निगरानी रखें। कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या नजदीकी शासकीय कार्यालय में सूचना देकर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं।

बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का किया गया आयोजन

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह के मुख्य आतिथ्य में नगरपालिका सभागार अनूपपुर में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण और समाज में सकारात्मक सोच विकसित किये जाने हेतु लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना की बालिका हितग्राहियों जिन्होंने उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त की है, उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में "एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम" अभियान के तहत लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में पौधे भी रोपित किए गए। पात्र बालिकाओं को योजना के अंतर्गत आश्वासन प्रमाण पत्र, अपराजिता प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, शौर्या प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नगरपालिका परिषद अनूपपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के.के. सोनी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मोहनलाल पटेल, आत्मा गवर्निंग बोर्ड की सदस्य श्रीमती रश्मि खरे, महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी सुश्री सीमा गांजू, पर्यवेक्षक श्रीमती दयमंती सिंह तथा श्रीमती हीरा सिंह धुर्वे, आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी, लाडली बालिकाएं व उनके अभिभावक, लाडली क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय जन जागरूकता अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गयी।

भाजपा राजनगर मंडल की संगठनात्मक बैठक हुई संपन्न

राजनगर। नगर परिषद् बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के अध्यक्ष का कमलेश चतुर्वेदी की अगुवाई में राजीव गांधी भवन नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में संपन्न हुई। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के दिलीप जायसवाल कोतमा विधानसभा विधायक एवं (मंत्री) मध्यप्रदेश शासन, लघु कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, अनूपपुर जिले के प्रभारी संजय साहू, सिद्धार्थ शिव सिंह जिला महामंत्री, रवि राठौर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, धर्मेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, बब्बू चंद्रवंशी जिला अध्यक्ष (एससी) मोर्चा, डॉ. मदन त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष, विनोद केवट जिला उपाध्यक्ष, I तथा भाजपा के अन्य कार्यकर्ता, मंडल के समस्त पदाधिकारी तथा समस्त कार्यकर्ता एवं बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र के प्रभारीयो की उपस्थिति में संगठनात्मक कामकाजी बैठक हुई।

सोन नदी का तट बना हरित अर्थव्यवस्था का मॉडल

रेतीली जमीन पर हरित क्रांति से भूमिहीन किसान हुए सशक्त

अनूपपुर जिले में सोन नदी के तट की रेतीली जमीन अब किसानों की आय का मजबूत जरिया बन रही है। ककड़ी, खीरा, तरबूज और खरबूज जैसी फसलों की खेती ने भूमिहीन और छोटे किसानों को नई दिशा दी है। कम लागत, जल्दी तैयार होने वाली फसल और बाजार में अच्छी मांग के चलते यह मॉडल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। गर्मी के मौसम में यह खेती न सिर्फ राहत दे रही है, बल्कि भूमिहीन किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती भी प्रदान कर रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में सोन नदी के किनारे फैली रेतीली भूमि, जो कभी अनुपजाऊ मानी जाती थी, आज किसानों की मेहनत और नवाचार से उपजाऊ बन चुकी है। यहां किसान पारंपरिक खेती छोड़कर ककड़ी, खीरा, तरबूज और खरबूज जैसी नगदी फसलों की खेती कर रहे हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो रेतीली मिट्टी जल निकासी में बेहतर होती है, जिससे इन फसलों की जड़ों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है और फसल जल्दी तैयार होती है। यह खेती कम लागत और कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली साबित हो रही है। महिलाओं की भागीदारी, स्थानीय रोजगार और बेहतर बाजार मूल्य ने इसे टिकाऊ मॉडल बना दिया है। यदि प्रशासन इस दिशा में योजनाबद्ध प्रयास करे तो जिसमें प्रशिक्षण, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधा और विपणन सहायता तो यह क्षेत्र रेतीली कृषि का आदर्श उदाहरण बन सकता है। साथ ही प्रशासन अगर अपने स्तर पर 'लोकल फॉर वोकल' के तहत इन उत्पादों को व्यापक पहचान दिला दे तो किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

रेतीली जमीन पर उग रही समृद्धि

सोन नदी के तट पर फैली रेत, जो पहले बेकार समझी जाती थी, आज किसानों के लिए आय का मजबूत आधार बन गई है। भूमिहीन और छोटे किसान इस जमीन पर ककड़ी, खीरा, तरबूज और खरबूज जैसी फसलों की खेती कर रहे हैं। कम समय में तैयार होने वाली इन फसलों से उन्हें जल्दी और नगद मुनाफा मिल रहा है। पहले जहां यह क्षेत्र खाली पड़ा रहता था, अब हरियाली से भर गया है। यह परिवर्तन किसानों की मेहनत, नवाचार और जोखिम उठाने की क्षमता को दर्शाता है, जिसने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है।

आखिरकार क्यों सफल है यह खेती

रेतीली मिट्टी में जल निकासी की क्षमता अधिक होती है, जिससे फसलों की जड़ों में पानी का ठहराव नहीं होता और सड़न की समस्या कम होती है। यह मिट्टी जल्दी गर्म और ठंडी होती है, जो तरबूज और खरबूज जैसी फसलों के लिए अनुकूल है। वैज्ञानिकों के अनुसार ऐसी भूमि में जैविक खाद के उपयोग से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों बेहतर होते हैं। कम पानी में अधिक उत्पादन, तेजी से बढ़ने वाली फसलें और रोग कम लगना इस खेती को वैज्ञानिक रूप से लाभकारी बनाता है, जिससे किसानों को कम जोखिम में बेहतर परिणाम मिलते हैं।

महिलाओं की भागीदारी से बढ़ी ताकत

इस खेती में महिलाओं की भागीदारी ने इसे और मजबूत बनाया है। महिलाएं खेतों में रोपाई, सिंचाई, निराई-गुड़ाई के साथ-साथ फसल की देखरेख में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे बाजार में बिक्री और ग्राहकों से संपर्क में भी सहयोग कर रही हैं। इससे न केवल परिवार की आय बढ़ रही है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता भी मिल रही है। ग्रामीण समाज में उनकी भूमिका मजबूत हो रही है और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ रही है, जो सामाजिक बदलाव का सकारात्मक संकेत है।

प्रशासनिक पहल की जरूरत

इस सफल मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए प्रशासनिक सहयोग बेहद जरूरी है। कृषि विभाग को चाहिए कि वह किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, जैविक खेती और सिंचाई के बेहतर साधनों के बारे में प्रशिक्षण दे। साथ ही, फसल बीमा, ऋण सुविधा और बाजार तक सीधी पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि सरकार योजनाबद्ध तरीके से इस मॉडल को बढ़ावा दे, तो यह क्षेत्र न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण बन सकता है। इससे ग्रामीण रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन भी कम होने की उम्मीद की जा सकती है।

लोकल फॉर वोकल से मिलेगा नया बाजार

'लोकल फॉर वोकल' अभियान के तहत इन स्थानीय फसलों को ब्रांडिंग और पहचान दिलाना जरूरी है। यदि ककड़ी, खीरा, तरबूज और खरबूज को स्थानीय उत्पाद के रूप में प्रमोट किया जाए, तो इन्हें बड़े बाजारों में भी अच्छी कीमत मिल सकती है। इसके लिए पैकेजिंग, परिवहन और विपणन की बेहतर व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। किसान उत्पादक समूह (थ्च्ब्) बनाकर सामूहिक रूप से बिक्री करें तो उनका मुनाफा और बढ़ सकता है। यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाएगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाएगी जिससे किसान और सशक्त बन जिले का नाम रोशन कर सकते है।

फील्ड विजिट बनाकर विद्यार्थियों के शत प्रतिशत नामांकन हेतु किए जाए प्रयास-कलेक्टर

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने निर्देश दिए हैं कि जिले में विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक माह का फील्ड विजिट प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को सेक्टरवार फील्ड विजिट करने तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों का विद्यालयों में नामांकन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी विद्यार्थियों के अभिभावकों से संवाद स्थापित कर उन्हें बच्चों के विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रेरित करें। इस कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु कलेक्टर ने जिला एवं जनपद स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि ड्यूटी आदेश शीघ्र तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि अभियान को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से क्रियान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि चाइल्ड ट्रैकिंग एप के माध्यम से विद्यार्थियों की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना के अंतर्गत जलापूर्ति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जल दर्पण एप्लीकेशन के माध्यम से योजना की रियल-टाइम एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी ग्रामीणों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, उन्होंने सार्वजनिक एवं शासकीय स्थलों पर प्याऊ व्यवस्था स्थापित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने राज्य शासन द्वारा कृषि विभाग के अंतर्गत घोषित कृषक कल्याण वर्ष के अवसर पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही, किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तथा बाइक रैली, ट्रैक्टर रैली आदि के माध्यम से कृषि संबंधी गतिविधियों के प्रति जागरूक किया जाए।

बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने हैंडपंपों के रखरखाव एवं मरम्मत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नवीन राशन कार्ड जारी करने एवं राशन कार्ड के अद्यतन, लाड़ली बहना योजना की पेंडिंग भुगतान राशि, भूमि सीमांकन तथा निजी भूमि पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पंचायती राज के अंतर्गत जलप्रदाय से जुड़ी समस्याओं जैसे पाइपलाइन टूट-फूट, मोटर जलने एवं सुधार कार्य, संबल पंजीयन में लंबित आवेदन, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण तथा समग्र आईडी से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन लंबित मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि राशन दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया जाए तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखा जाए। इसके साथ ही, कलेक्टर ने जिले के विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकों के वितरण की समीक्षा की। उन्होंने जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण शासकीय भवनों के स्थान पर नवीन भवनों के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। श्री पंचोली ने शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की, जिसमें पुलिस एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा प्रशिक्षण को प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मां नर्मदा मंदिर में सैकड़ों बालकों का हुआ मुंडन संस्कार

डेढ़ माह तक नहीं है कोई शुभ मुहूर्त

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित मां नर्मदा मंदिर में सोमवार को सैकड़ों बालक-बालिकाओं का पवित्र एवं मंगलमय मुंडन संस्कार श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। माता-पिता, अभिभावकों एवं परिजनों ने विधि-विधान के साथ अपने बच्चों का संस्कार कराते हुए मां नर्मदा के दरबार में आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्येष्ठ मास (मई) में मुंडन संस्कार के लिए 4 मई सोमवार अनुराधा नक्षत्र एकमात्र शुभ तिथि रही। इससे पूर्व 29 अप्रैल को भी शुभ मुहूर्त था, जबकि अब अगली तिथि लगभग डेढ़ माह बाद 17 जून (ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया, पुनर्वसु नक्षत्र) को प्राप्त होगी। इसी कारण इस तिथि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे और अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया। सुबह से प्रारंभ हुआ मुंडन संस्कार का क्रम देर शाम तक निरंतर चलता रहा। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों एवं दर्शनार्थियों ने पवित्र रामघाट तट पर स्नान कर पूजा-अर्चना की और मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त किया। माता-पिता ने अपने बच्चों को शुभ मुहूर्त में मुंडन संस्कार कराकर मां नर्मदा के दर्शन कराए तथा उनके उज्ज्वल, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की। पूरे परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। महिलाएं मंगलगीत गाती रहीं, वहीं वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। मंदिर के पुजारी पंडित धनेश द्विवेदी 'वंदे महाराज' ने बताया कि यह मुंडन संस्कार का अत्यंत शुभ लग्न मुहूर्त था। अब लगभग डेढ़ माह तक कोई उपयुक्त तिथि नहीं है, इसलिए इस दिन कराए गए संस्कार विशेष रूप से फलदायी माने जाएंगे। इस अवसर पर दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखा गया। बिलासपुर से आई भारती दुबे ने अपने पुत्र विनायक का मुंडन संस्कार कराया, वहीं हार्दिक कौशिक का भी परिजनों ने विधि-विधान से मुंडन कराया। शहडोल जिले के गोहपारु से आए जायसवाल परिवार ने अपनी पुत्री मन्नत का मुंडन संस्कार हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराया। सभी परिवारजन इस पावन अवसर पर अत्यंत प्रसन्न नजर आए।

केन्द्रीय विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विद्याप्रवेश कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की कक्षा एक में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय की संस्कृति एवं पठन-पाठन शैली से अवगत कराकर विद्यार्थियों का विद्यालय के पहले दिन स्वागत करना था। अभिभावकों के साथ विद्यालय में पधारे सभी नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं हस्तशिल्प द्वारा निर्मित रंगीन कागजी मुकुट पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्यअतिथि के रुप में विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कुमार तिवारी द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की प्रथम कड़ी के रूप में विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक उत्कर्ष त्रिपाठी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिसके अंतर्गत उन्होंने केन्द्रीय विद्यालय संगठन से जुड़ने की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्यारे बच्चों अब आप एक ऐसे संगठन का हिस्सा बन गए हैं जो की शिक्षा के क्षेत्र में पूरे भारतवर्ष में एक सर्वोत्कृष्ट संस्था है अतः केंद्रीय विद्यालय संगठन से जुड़ना आपके लिए परम सौभाग्य एवं गौरव का विषय है एवं उनके द्वारा सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में प्रवेश पाने के उपलक्ष्य में शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए कक्षा चार एवं पाँच के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा एक में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई जिसकी थीम नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने हेतु प्रेरित करने से सम्बंधित थीद्य तत्पश्चात विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को सहज कर उनका परिचय लेकर उनसे मेलजोल बढ़ाने का प्रयास किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक विकास सिंह द्वारा विद्या प्रवेश की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल शब्दों में व्यक्त किया गया जिसके अंतर्गत उन्होंने बताया कि विद्याप्रवेश तीन माह की विद्यालयी तैयारी सम्बंधी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत हम बच्चे को विद्यालय के लिए संपूर्ण रूप से तैयार करते हैं एवं विद्यालयी गतिविधियों की बारीकियाँ सिखाते हैं एवं हमारा उद्देश्य बच्चों की विद्यालय में सीखने के प्रति रुचि को जागृत करना होता है। तत्पश्चात कक्षा एक की कक्षाध्यापिका सुश्री आरती वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित कर उन्हें बताया गया कि किस तरह हम विद्यालय में आपको खेल-खेल में शिक्षा प्रदान करेंगे। एवं इसके साथ-साथ कक्षा अध्यापिका ने विद्यार्थियों के साथ अपनी अपेक्षाओं को भी साझा किया एवं विद्यालय के नियमों को भी बड़े ही आत्मीय ढंग से समझाया एवं अपने मातृत्व रुप का बोध करायाद्य कार्यक्रम की अगली कड़ी के रूप में विद्यार्थियों को इंटरैक्टिव पैनल पर एक मनोरंजन कहानी दिखाई गई जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में दया एवं करुणा करने जैसी अच्छी आदतें विकसित करने का नैतिक मूल्य सिखाया गया। इसके पश्चात प्राचार्य के द्वारा विद्यार्थियों को उपहार भेंट किए गए। तत्पश्चात प्राचार्य ने अपने आशीर्वचनों से सभी विद्यार्थियों को अभिसिंचित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा प्रिय नवप्रवेशी विद्यार्थियों, आज इस विशेष अवसर पर आप सभी का विद्यालय में स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। यह एक नया अध्याय है, जो आपके जीवन में उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगा विद्यालय केवल शिक्षा का स्थान नहीं है, बल्कि यह वह मंच है, जहाँ आपकी क्षमताओं को पहचानकर एवं उन्हें निखार कर आपको भविष्य के लिए तैयार किया जाता है। यहाँ आपको न केवल शैक्षिक ज्ञान मिलेगा, बल्कि नैतिक और सामाजिक मूल्यों की भी गहरी समझ विकसित होगी। प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों के अभिभावकों को यह भी बताया गया कि हमारे विद्यालय में विद्यार्थियों के ऊपर गृह कार्य का बोझ नहीं डाला जाता ताकि बच्चे स्वच्छंद रूप से अपने ज्ञान का निर्माण कर सकें। हमारे विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का चौमुखी विकास करना है, ताकि वे न केवल एक अच्छे विद्यार्थी बनें, बल्कि एक अच्छे नागरिक भी बन सकें। उनका कहना था कि अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत और ईमानदारी से काम करें। हमें विश्वास है कि आप सभी अपनी मेहनत और समर्पण से विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। अंत में उन्होंने सभी से यह निवेदन किया कि आप इस यात्रा को आनंद और उत्साह के साथ आरंभ करें। हम सभी हर कदम पर आपके साथ हैं। तत्पश्चात कार्यक्रम की अंतिम कड़ी के रूप में विद्यालय के प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती वंदना द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया गया।